

वाराणसी वैभव या काशी वैभव - सुनील कुमार झा

नवदुर्गा यात्रा

इसके दो स्वरूप हैं। एक में तो दुर्गाकुण्ड की दुर्गाजी की यात्रा प्रत्येक अष्टमी तथा चतुर्दशी को होती है और यदि इन दिनों मंगलवार पड़ जाय, तो माहात्म्य बढ़ जाता है। इसके अतिरिक्त, दोनों नवरात्रों में प्रति दिन एक-एक देवीपीठ की यात्रा क्रम से होती है।



अष्टम्यां च चतुर्दश्यां भौमवारे विशेषतः ।
सम्पूज्या सततं काश्यां दुर्गा दुर्गतिनाशिनी ॥
नवरात्रं प्रयत्नेन प्रत्यहं सा समर्चिता ।
नाशयिष्यति विघ्नौघान्सुमतिश्च प्रदास्यति ॥ २५